

100 - 10%

लेखपत्र का सांकेतिक विवरण

~~6(2)~~

- | | | |
|-----|---|---------|
| १. | भूमि का प्रकार - (बड़ी/आवासीय/वाणिज्यिक/औद्योगिक/अन्य) छापी | |
| २. | जारी परमाना क्लॉसली | |
| ३. | पाइपलाई/ग्राम/स्ट्रोकिंग/स्ट्रोकिंग | |
| ४. | सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नं.) । १०१, १०२, १०३, १०४, १०५ | |
| ५. | पारंपरागी इकाई (हेक्टेक्टर/घरमीटर) हेक्टेएक्टर | |
| ६. | सम्पत्ति का क्षेत्रफल ०.६७७ हेक्टेएक्टर ०.६९५ हेक्टेएक्टर ०.०९५ हेक्टेएक्टर ०.०५६ हेक्टेएक्टर ०.०५३ हेक्टेएक्टर | |
| ७. | महुक वाली स्थिति (परिशिष्ट के अनुसार) हासानी | |
| ८. | अन्य विवरण (३ मीटर गोड़/कानेर इत्यादि) x | |
| ९. | सम्पत्ति का प्रकार - घासाद/फलेट/मकान/दुकान/छापी | |
| १०. | सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल (बहुवितला भवन की स्थिति में) x | |
| ११. | कुल आच्छादित क्षेत्रफल x | |
| १२. | स्थिति - फिनिशड/सेनोरिनिशड/अन्य x | |
| १३. | पेडों का मूल्यांकन x | |
| १४. | प्रांतिंग/कुड़ा/अन्य x | |
| १५. | निमंत्रित क्षेत्रफल x | |
| १६. | निर्गोषण का यथा x | |
| १७. | सहजारी आवास समिति के सदस्य में सम्बन्धित है - हाँ/नहीं | |
| १८. | प्रतिफल की धनराशि ८३,८०००/- | |
| १९. | चौहदो : पूर्ण x | परिचय x |

३८५

Digitized by srujanika@gmail.com

विद्यालय विभाग

- | | |
|--|----------------------------|
| १. नाम हेतु लक्षण | पिता/पति का नाम हेतु लक्षण |
| स्थायी पता द्वारा कार्ड नगद वा पर्सनल क्रिएटिव | स्थायी पता द्वारा उपलब्ध |
| अस्थायी पता | उपलब्ध |

१०५ नाम छाल व अंगोरी शिल्प चाले कर्तव्य

ପିଲା/ସତି କା ଶମ ଦିନୀ-ବ୍ୟାକାରୀ

स्थानीय पत्र एवं - अस्सीखा संस्कृतिका विवरण

अस्थायी पता

५४३

卷之三

— 1 —

卷之三

[View Details](#)

दितीय प्रभ वर्ष संख्या (१)

संक्षेप या विवरण

- | | |
|-----------------|--|
| १. नाम..... | मैत्री द्वारा अभी टिकेटिंग कंपनी परियुक्ति का नाम है एवं इसकी स्थापना १९३१ में हो चुकी है। |
| स्थायी पता..... | १२३, लिंगायती वाराणसी छोटी अस्थायी पता..... |
| घरवाल..... | मैत्री एवं होमा |

२ नाम

पिला/पहिं का नाम

संस्कारी धना

अम्बारी पता

३४५

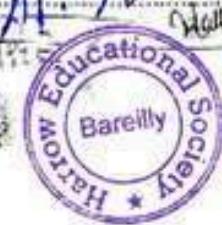
卷之三

1

100

100

J. M. McMurtry
Secretary





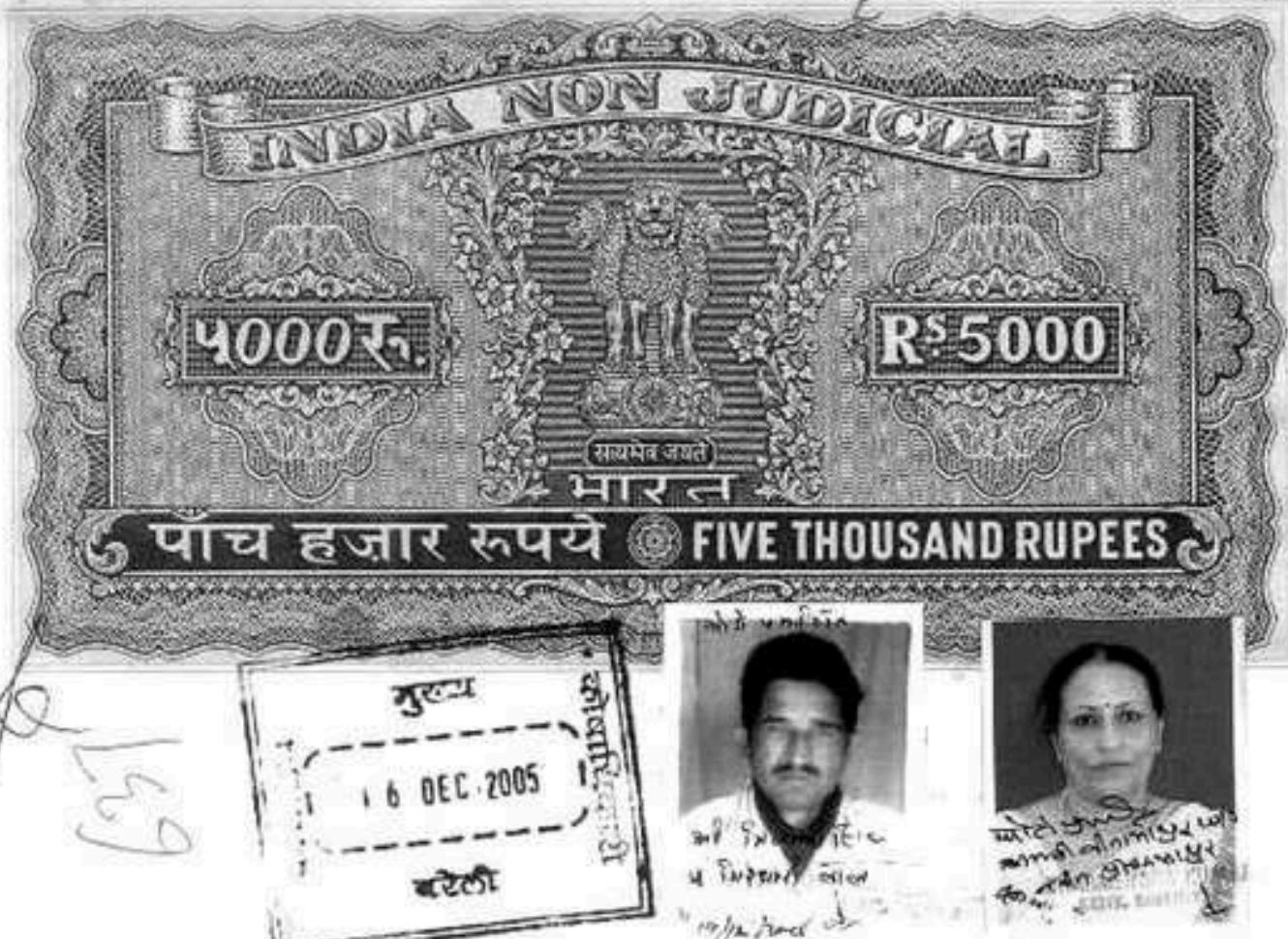
आज दिनांक 29/01/2007 को
 बड़ी सं 1 जिल्द सं 1766
 पृष्ठ सं 255 से 294 पर कमाक 637
 (जिस्ट्रोक्यूट किया गया।)

पंकज शर्मा प्रभारी

29/1/2007



M. Methw



खालील स. र. साहब युधम, बरेली

विक्रात सम्मिलित आदाजी मुस्लिम भूमिगरीय क्षेत्र के ग्राम को तूंडी के उन्नति जाती है निर्धारित रेट 5 लाख रुपये पूरी है वह इन्हीं मार्ग पर स्थित है अतः 15% को बढ़ि को गई है वह राष्ट्रीय राजमार्ग, राजमार्ग, जनपदाय मार्ग पर स्थित नहीं है और ना ही ग्रामादी ले लटी हुई है उसकी 200 मी. की परिधि में कृषि कार्य दो रहा है वह शुद्ध समाजत नहीं है।

धनाम् - 2,50,000/- मालियत बाजारो - 2,52,000/- रुपये स्टाम्प
25,200/- रुपये

मैं कि क्रिलोकी चिह्न मुत्र गिरधारी लाल नियोगी गुणिया रजकुल किसां पर ३०० व जिला बरेली को हैं विक्रेता।

विक्रेता एवं क्रेता अनुचित जाति एवं जनजाति के सद्वय नहीं हैं।

मैंने उपनी खुशी से वदुरुस्ती होश व हवास विला किसी जरु व दबाव के द्वारा सोचकर आदाजी मुस्लिम तपसील जैल वाले ग्राम वारी नगला पर ३०० व जिला बरेली महदूदा जैल ममलूका व मक्कुजा अपनी



तालिम देने

Waliy

10% social

प्राप्ति 10% अनुदान के लिए विद्यार्थी की प्रतिक्रिया
करने के लिए इस बाबत प्राप्ति 10% का अनुदान
प्राप्ति 10% का अनुदान प्राप्ति 10% का अनुदान

प्राप्ति 10% का अनुदान प्राप्ति 10% का अनुदान

₹ 2500/-
₹ 2500/-

दिनांक 10/12/05 दिनांक 10/12/05

लोगों की संख्या 10
प्राप्ति 10% का अनुदान

दिनांक 10/12/05 दिनांक 10/12/05

कामों की संख्या 10 दिनांक 10/12/05

दिनांक 10/12/05
दिनांक 10/12/05

दिनांक 10/12/05

इस लेखान्तर का विवादन है। यहा प्राप्ति 10% का अनुदान
क्षमता पूर्व प्राप्ति करने का लिए जैसे सभी विद्यार्थी उसे
प्राप्ति करने के लिए उसे उत्तराधिकारी के लिए उत्तराधिकारी के लिए
प्राप्ति करने के लिए उत्तराधिकारी के लिए उत्तराधिकारी के लिए

जिसे विद्यार्थी के लिए उत्तराधिकारी के लिए उत्तराधिकारी के लिए

नियाम - विद्यार्थी के लिए उत्तराधिकारी के लिए उत्तराधिकारी के लिए

दिनांक 10/12/05
दिनांक 10/12/05



14.1.8. श्री कृष्ण
गांधी नगर
गोपनीय
कृष्ण
मुख्य सचिव



M. P. Mukherjee





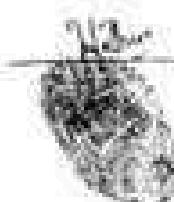
कैरापिला न.र. कोहव रुपये, बोरी

दिव्योत्तम नमस्तिं औराजी गांधीजी अद्वितीय देश के द्रुतम का मूली
के उन्नति भासा ते रैपरिटर वेट 5 लाख रुपये दृष्टि डेकेटर है वह
मिल एवं वह दिल्ली व लखनऊ की बड़ी ओर वह एक दृष्टि
राजभारी, राजसभारी, अनादीव धारी वर्ते दिल्ली के और वह वह
एक दृष्टि वह एक दृष्टि वह एक दृष्टि वह एक दृष्टि वह एक दृष्टि

बदनाम 2,20,000/- रुपयालिका 4 बारा 2,23,000/- रुपये
सदाचार 22,300/- रुपये

मेरे राज्य पुरा नियम नियम वारी कला वर्ष. नग. व फारा
बोरी एवं विभाग।

दिल्ली एवं लखनऊ अनुसार वारी एवं अन्याय के लक्षण नहीं हैं।



J.P. Mehta

3/37
500/-
- 19/11/1955

के विद्यालय की अधिकारी और निपटनी
संघर्ष-लोक एवं विद्यालय की अधिकारी
प्रबुद्ध विद्यालय की अधिकारी

Quarrel

मिस्टर बैरी
मिस्टर बैरी का नाम
मिस्टर बैरी की जाति

मिस्टर बैरी
223-

निं. शहर, नक्काश/तुलना शहर, शहर लगू शीर्ष 4/154

मिस्टर बैरी
मिस्टर बैरी
मिस्टर बैरी
मिस्टर बैरी
मिस्टर बैरी

मिस्टर बैरी
मिस्टर बैरी

इस लेखक का विद्यावास करना तथा 223-
क्षणे पूर्वे ग्रामीण वर्ग के लोगों के समाज
में उनके अधिकारों की व्यापार और व्यवसाय का अनुभव
15/11/1955 को लिखा गया है।

जिनी वार्ता की विद्यावास की दो दिनों के लिए
निदानी - 125 मिस्टर बैरी के दो
दो दो - 125 मिस्टर बैरी के दो
निदानी - 125 मिस्टर बैरी के दो

मिस्टर बैरी, निदानी
बारेमो



ପାତା ଲେଖିବା କାହାର ଦ୍ୱାରା ହେଲା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା ୩୧୫ ମୁଣ୍ଡର
କିମ୍ବା ୩୧୬ ମୁଣ୍ଡର
କିମ୍ବା ୩୧୭ ମୁଣ୍ଡର

ଶ୍ରୀମତୀ କର୍ମଚାରୀ
ଶାକୀ





24



S.B. 529

द्वितीय प्रकाशित दृष्टि का अनुसार ज्ञान एवं विद्या के लिए अधिक समर्पित होना चाहिए। इसके लिए विद्यालयों की संख्या बढ़ाव देना चाहिए।

३८५ ये उमियाली वास्तविकी की दृष्टि से वास्तविकता होने वाला विज्ञान
एक असेवन ज्ञानात्मक विज्ञान विद्यानाम् काला विद्यानाम् एव विद्यानाम्
३८६ विद्यानाम् विद्यानाम् विद्यानाम् ॥

प्रियों के लिए अपनी विदेशी भाषा का सम्मान करना चाहिए।

એવે અપણા રૂપરી માટે કુદાળી દોષાન્તેજાપનીના લિંગીની અનુભૂતિ હુદાની અનુભૂતિ થાકુલાની અનુભૂતિ થાકુલાની અનુભૂતિ

१०८

24



J. P. Brink



मा. २७३६ दिन १० अक्टूबर १९८०
श्रीमति श्रीमती - ~~पंडित राजेश कुमार विजयन~~ निवासी श्री
पंडित राजेश कुमार विजयन
पंडित राजेश कुमार विजयन
पंडित राजेश कुमार विजयन

लोकसभा - बोर्डर
पालका

निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन
जन चयन बोर्डर श्रीमती

पंडित राजेश कुमार विजयन जन चयन बोर्डर श्रीमती
विजयन जन चयन बोर्डर श्रीमती निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन
तहसील विजयन जन चयन बोर्डर श्रीमती पंडित राजेश कुमार विजयन
दिवाकर श्रीमती निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन
कायलिय उप निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन में दरहन किया

श्री जंतरी देवी

उप निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन
बरेली

इस लेख पत्र का निपादन करना तथा

ज्याये पूर्दे प्राप्ति करना एवं इह बोर्डर समझ

निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन जन चयन बोर्डर श्रीमती

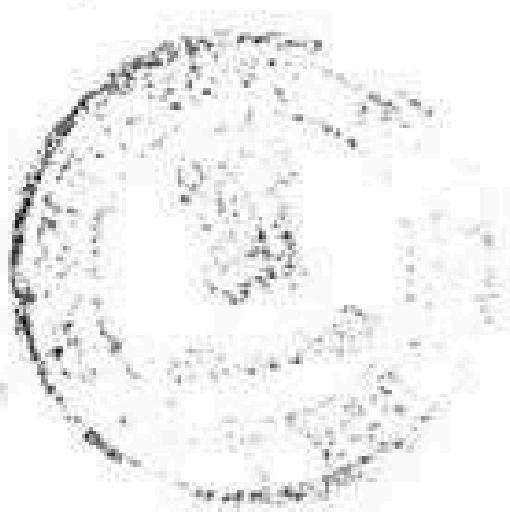
निवासी

जन चयन बोर्डर श्रीमती पंडित राजेश कुमार विजयन

निवासी उप निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन बरेली में है।

उप निवासी पंडित राजेश कुमार विजयन
बरेली

J. M. Miller
Circular Stamp
100% Localization
100% Accuracy



Digitized by srujanika@gmail.com
2015-3-86
Digitized by
Srujanika
Digitized by srujanika@gmail.com

M. Mihir



5000Rs



राबिन्द्रनाथ टगोर, महात्मा गांधी

दिल्ली कलेज उदायी सूचियों अक्षयकालीन टेक्स हैं जिनमें दी
तुर्थी के अन्तर्गत आती हैं। निपातिल दर 5,00,000/- क्रूप है।
दुसरी हिन्दौरा है वह राष्ट्रीय दरकारी, राष्ट्रवाच, भवानीय
दरकारी, जिन यारि दर संभव नहीं हैं और वह इसे अवश्यक है।
अब इन्हें 300 रुपये की परिमाण अधिक 800 हो जाए
है वह यह दरकारी नहीं है। विकलाल एवं शुक्रा यारीय = 10-
-11 रुपये हैं।

दरकारी 4,40,000/- नारिया यारीय 4,45,000/- एवं 100
44,500/- क्रूप है।

इन दिन निर्गम दरकारी राष्ट्रीय दरकारी एवं अन्य दरकारी दरकारी



~~656~~



१० शुक्र नवम/द्वात्रा शुक्र अष्टम वर्ष ३०५
४०८ ५२२

३५८ विष्णुवाचो विष्णुवाचो विष्णुवाचो
विष्णुवाचो विष्णुवाचो विष्णुवाचो

१८ दिन - या दिनांक तरीके से लिखा गया है। अतः
१९ दिन - यह दिन को लिखा गया है। अतः इसका उल्लेख
किया जाएगा। यह दिन को लिखा गया है। अतः इसका उल्लेख
किया जाएगा।

१०५४ विषयों के लिए उपलब्ध
विषयात्मक अध्ययन सारणी
तथा विषयात्मक अध्ययन सारणी
विषयात्मक अध्ययन सारणी

1 - 82-5

J.P. Mather



१८८१ विद्यालय की संस्था का
प्रबन्ध अधिकारी
कृष्ण
मुख्य

प्राप्ति विवरण
ग्रन्थ

J. P. Mehta



भूमि का दाता - श्रीमद्भगवान् रामचन्द्र विलास दाता - द्वारा

कृति

१. दैर्घ्य का विवर (पर्याप्ति नहीं) देखा गया १२५
२. दाता की जाति (श्रीमद्भगवान् रामचन्द्र)
३. दाता का विवर (२५६२ वर्षों के वर्षों में)
४. दाता की विवर (पर्याप्ति के लक्षण) विवर
५. दाता की विवर (पर्याप्ति के लक्षण) विवर
६. दाता की विवर (पर्याप्ति के लक्षण) विवर
७. दाता की विवर (पर्याप्ति के लक्षण) विवर
८. दाता की विवर (पर्याप्ति के लक्षण) विवर
९. दाता की विवर (पर्याप्ति के लक्षण) विवर
१०. दाता का दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
११. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१२. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१३. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१४. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१५. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१६. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१७. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१८. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)
१९. दाता का विवर (दाता की विवर का विवर)

दाता का विवर (....)

प्राचीन विवर

१. नाम - श्रीमद्भगवान्
२. विवरणी का नाम उमेश
३. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्
४. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्
५. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्
६. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्

७. नाम - श्रीमद्भगवान्
८. विवरणी का नाम उमेश
९. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्
१०. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्

११. नाम - श्रीमद्भगवान्
१२. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्
१३. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान्

दाता का विवर

दाता का विवर (....)

दाता का विवर

१. नाम - श्रीमद्भगवान् रामचन्द्र विलास दाता - द्वारा
२. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान् रामचन्द्र विलास दाता - द्वारा
३. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान् रामचन्द्र विलास दाता - द्वारा
४. विवरणी का नाम श्रीमद्भगवान् रामचन्द्र विलास दाता - द्वारा

दाता का विवर

J. P. Mehta



संदर्भ नं. 12/10/2006 वा

पात्र नं. 1 दृश्य नं. 1648

पुस्तक नं. 133 पृ. 150 पृष्ठा 7544

प्रिंटर कीमत रुपये।


P. K. Mehta

(12/10/2006)



卷之三

1000Rs



39 MAR 2000



क्षेत्रीय विद्यालय दा. ए. जाहाज एवं कैलेन्डर।...
क्षेत्रीय विद्यालय सुनिधि समिति विद्यालय अधिकारी द्वारा काम में आयी।
वे अपनी विद्यालय कामों के लिए विद्यालय दोष देखते हैं। श्रीमिती बद्रेश्वर कृ-
ष्ण दास नियमित विद्यालय कामों के लिए विद्यालय दोष देखते हैं। श्रीमिती बद्रेश्वर कृ-
ष्ण दास नियमित विद्यालय कामों के लिए विद्यालय दोष देखते हैं। श्रीमिती बद्रेश्वर कृ-
ष्ण दास नियमित विद्यालय कामों के लिए विद्यालय दोष देखते हैं। श्रीमिती बद्रेश्वर कृ-
ष्ण दास नियमित विद्यालय कामों के लिए विद्यालय दोष देखते हैं।

जैसे विकास पुराने लोकों की जीवन्यास लुटाना चाहे तो उन्हें यह-यह-
तिथा करेंगे औहु विकास लोक लेना अल्पशुभ्रित लाभ होता है।
लोकों के सदृश बनेंगे।
जैसे विकास लोकों के अनुभवी लोक वह लुटाना विकास लाभ है।

— 1 —

Python

J.P. Mather



150/- 223-149/- 100/-
100/- 100/- 100/-
100/- 100/- 100/-
100/- 100/- 100/-

मिलानी विद्या एवं विद्यार्थी विद्यालय
मिलानी विद्यालय

१८७५ विद्यालय कालानी बाबा श्रीमद्भवति द्वारा दिल्ली
विद्यालय कालानी बाबा श्रीमद्भवति द्वारा दिल्ली

१८५ देव पात्र का निरपोतन दरवाजा लदा
पूर्व प्राप्ति असुरोंका सुरेशमधु भी आगे बढ़ निकले तो

। तत्काल गहराया ही उपर्युक्ति द्वारा ही किया जाता है।
नियासी एवं अन्य विद्युतीय उपर्युक्ति के लिये इसको नाम देता, जो वे
उच्च एवं नियासी उपर्युक्ति की अवधि—
नियासी उपर्युक्ति बहुली है।

कृष्णनिधानकालावल
प्रतीकी

J. P. Müller





0088-7455(9



J. D. Ganguly

स्त्रीलोकान् विद्युत् इति शब्दं एव अन्यान्

ମାତ୍ରିକ ପରିଯୋଜନର ଲୁହି ବ୍ୟବ୍ହାର କରିବାର କୌଣସି କାମକାଳୀଙ୍କରେ -
ରାଜ୍ୟର କୁଳାଳିକ୍ଷେ ବିନ୍ଦମାର୍ଗ ମେଳେ ୧୦୦୦୦୦/- ଶତାଂଶୀଳ କାମକାଳୀଙ୍କରେ
କାମକାଳୀଙ୍କର କୁଳାଳିକ୍ଷେ ବିନ୍ଦମାର୍ଗ ମେଳେ ୧୦୦୦୦୦/- ଶତାଂଶୀଳ କାମକାଳୀଙ୍କରେ
କାମକାଳୀଙ୍କର କୁଳାଳିକ୍ଷେ ବିନ୍ଦମାର୍ଗ ମେଳେ ୧୦୦୦୦୦/- ଶତାଂଶୀଳ କାମକାଳୀଙ୍କରେ

କାହିଁ କାହିଁ

ମାତ୍ରାକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିବାକୁ ପରିଚାଳନା କରିବାକୁ ଆବଶ୍ୟକ ହେଲା

Journal of Health Politics

23

100

10

J.P. Miller



१०८
१०७
१०६

१०५
१०४
१०३

निः शुद्धि
वकास/वृत्ति शुद्धि
प्रबं लग्ना—
शोष ५.५० | —

को... युक्ति की पुस्तकों वृत्ति शोष
लग्ना वृत्ति निः शुद्धि वृत्ति
लग्ना वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति
वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति
वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति

वृत्ति वृत्ति वृत्ति
वृत्ति

इन लेख दण का निर्दारण करना लाया

प्रदेश पुस्तकालय मेरे समकालीन लेख

जिनकी वह वाचन वृत्ति वृत्ति वृत्ति
निवासी वृत्ति वृत्ति वृत्ति
सदा वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति

निवासी वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति
वृत्ति वृत्ति वृत्ति वृत्ति

वृत्ति वृत्ति वृत्ति
वृत्ति

J.P. Mehta

